

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मानव का सूक्ष्म तंत्र और सहजयोग



हम क्या हैं?

हमारे भीतर परमात्मा ने कौन-कौन सी सूक्ष्म व्यवस्थाएँ स्थापित की हैं, और किस तंत्र के माध्यम से हम परमात्मा की प्राप्ति कर सकते हैं—इसी का ज्ञान सहजयोग प्रदान करता है। परमात्मा ने मनुष्य के भीतर पूर्ण तैयारी पहले से ही कर रखी है; आवश्यकता केवल उस दिव्य शक्ति को जागृत करने की है। जब मनुष्य आत्मसाक्षात्कार (आलोकित अवस्था) प्राप्त कर लेता है, तब यह समस्त ज्ञान सहज रूप से अनुभव में आने लगता है। हमारे शरीर में स्वचालित नाडीतंत्र (Autonomic Nervous System) कार्य करता है, जिसके तीन प्रमुख सूक्ष्म मार्ग हैं—इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ी। इड़ा नाड़ी (बायाँ मार्ग) बाएँ अनुकम्पी नाडीतंत्र का पोषण करती है। इसे चन्द्र नाड़ी भी कहा जाता है और यह हमारे भावनात्मक पक्ष, भूतकाल तथा अवचेतन मन से संबंधित है। पिंगला नाड़ी (दायाँ मार्ग) दाएँ अनुकम्पी नाडीतंत्र के लिए कार्य करती है। इसे सूर्य नाड़ी कहा जाता है तथा यह हमारी बुद्धि, कर्मशीलता, भविष्य और अतिचेतन मन का संचालन करती है। इन दोनों के मध्य स्थित सुषुम्ना नाड़ी वह दिव्य मार्ग है जिससे होकर कुण्डलिनी ऊपर उठती है, ब्रह्मरन्ध्र का भेदन करती है और साधक का सर्वव्यापक परमचैतन्य से योग स्थापित होता है। बायाँ और दायाँ अनुकम्पी नाडीतंत्र परस्पर पूरक होते हुए भी विपरीत दिशाओं में कार्य करते हैं। सुषुम्ना मार्ग पर सात प्रमुख सूक्ष्म ऊर्जा चक्र स्थित हैं, जिनका निर्माण

मानव की आध्यात्मिक उत्क्रान्ति के साथ हुआ है। ये हैं—मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, नाभि चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्धि चक्र, आज्ञा चक्र तथा सहस्रार चक्र। इन चक्रों के अतिरिक्त कुछ सहायक चक्र भी होते हैं, जो हमारे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुण्डलिनी मनुष्य के भीतर स्थित शुद्ध इच्छा-शक्ति है, जिसका उद्देश्य हमें सर्वव्यापक परमचैतन्य से जोड़ना है। यह शक्ति पवित्र त्रिकोणाकार अस्थि सेक्रम बोन में साढ़े तीन कुण्डलों के रूप में विराजमान रहती है। “Sacrum” शब्द का अर्थ ही “पवित्र अस्थि” है, जो इस शक्ति की दिव्यता को दर्शाता है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार के समय यही कुण्डलिनी जागृत होकर सुषुम्ना मार्ग से ऊपर उठती है और सहस्रार चक्र का भेदन कर साधक को परमात्मा के सर्वव्यापक प्रेम एवं चैतन्य से जोड़ देती है। सहजयोग के अनुसार हमारे हृदय में आत्मा का निवास है, जो स्वचालित नाडीतंत्र का संचालन करती है। यह आत्मा सर्वशक्तिमान परमात्मा का प्रतिबिम्ब है, जबकि कुण्डलिनी परमात्मा की आदिशक्ति का प्रतिबिम्ब है। जब आत्मा का प्रकाश और कुण्डलिनी की जागृति एक साथ अनुभव में आती है, तभी मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को जान पाता है और आध्यात्मिक उत्क्रान्ति का अंतिम चरण पूर्ण होता है। सहज योग से संबंधित अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

पंजाब में चुनावी बिगुल फूंकेंगे प्रधानमंत्री

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पंजाब के जालंधर दौरे पर रहेंगे। पांच महीने के भीतर यह उनका दूसरा पंजाब दौरा है। इस दौरान वह राज्य को करीब 5,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की रणनीति को भी नई धार देंगे। प्रधानमंत्री रेलवे अवसंरचना, सड़क, शहरी विकास और अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं का



लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इन योजनाओं का उद्देश्य पंजाब में संपर्क, परिवहन और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। दौरे के दौरान प्रधानमंत्री एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

माना जा रहा है कि अपने संबोधन में वह केंद्र सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और पंजाब के लिए भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए चुनावी संदेश देंगे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बड़ा ऐलान

अशोकनगर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर के युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। सिंधिया ने कहा कि अशोकनगर अब सिर्फ विकास योजनाओं का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार का भी बड़ा हब बनेगा।



उन्होंने बताया कि जिले में फेज-2 के तहत करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से 2 हजार सीटों वाला अत्याधुनिक कॉल सेंटर बनाया जाएगा। इस परियोजना के जरिए 2 हजार 592 युवाओं को हर महीने 20 से 25

हजार रुपये तक के रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना अशोकनगर में ‘लखपति युवा’ मॉडल को नई गति देगी और जिले की अर्थव्यवस्था को नई दिशा

मिलेगी। आपको बता दे कि अशोकनगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार मिलकर जिले में विकास की नई इबारत लिख रही हैं। उन्होंने बताया कि अशोकनगर के लिए करीब 5 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें सबसे बड़ा फोकस युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर है। सिंधिया ने कहा कि नए कॉल सेंटर के शुरू होने से हजारों युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिलेगा, जिससे पलायन भी रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सियासी बवाल

महापौर से जुड़ने का दावा; सच क्या है?

रीवा। रीवा की राजनीति में एक कथित वायरल ऑडियो ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस कथित ऑडियो को लेकर पत्रकारिता की स्वतंत्रता, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और सत्ता के प्रभाव को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। हालांकि, इस ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और इसकी सत्यता की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि वायरल कथित ऑडियो रीवा महापौर अजय मिश्रा ‘बाबा’ से जुड़ा है। ऑडियो में कथित तौर पर एक पत्रकार से बातचीत के दौरान पुलिस अधिकारियों से चर्चा, पत्रकारों से संबंध, खबर हटाने, खबर को “बैलेस” करने और मुलाकात के बाद बात करने जैसी बातें सुनाई देने का दावा किया जा रहा है। इसी कथित बातचीत के कुछ अंशों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने स्लीमनाबाद टनल निर्माण पूर्ण होने का दिया संदेश, पौधे भी रोपे



नवल किशोर

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्लीमनाबाद टनल परियोजना का निरीक्षण कर टनल बोरिंग मशीन के कार्य की प्रतीकात्मक समाप्ति की।

इसके साथ ही उन्होंने टनल निर्माण कार्य पूर्ण होने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश के जल प्रबंधन और सिंचाई व्यवस्था को ऐतिहासिक मजबूती प्रदान

करेगी तथा आने वाले वर्षों में लाखों किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजना के माध्यम से विंध्य क्षेत्र तक जल पहुंचाने का महत्वपूर्ण लक्ष्य पूरा हुआ है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों के साथ कदम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

आजाद-तिलक अलंकरण से 5 विभूतियां होगी सम्मानित

शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं एवं लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की 170वीं जयंती 23 जुलाई को मनाई जाएगी



रणजीत टाइम्स
इन्दौर। नेताजी सुभाष मंच व श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट एवं अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के तत्वावधान में 23 जुलाई 2026, गुरुवार को प्रातः 10 बजे, इंडियन कॉफी हाउस पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रीगल चौराहा, इन्दौर पर भारत के अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती एवं स्वराज्य

मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का उद्घोष करने वाले स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की 170वीं जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर शहर की 5 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपना जीवन समाजसेवा में लगा दिया। आयोजन की अध्यक्षता अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल करेंगे। उक्त जानकारी कार्यक्रम संस्था

के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने देते हुए बताया कि इस प्रसंग पर 5 विभूतियां जिनमें सर्वश्री हांकी कोच अशोक यादव, शिक्षाविद ओमप्रकाश धीमान, समाजसेवी राजेन्द्र सोनी, समाजसेविका सीमा सेन और समाजसेवी हुकुम यादव को आजाद-तिलक अलंकरण से विभूषित किया जायेगा।

पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि एवं मॉनिटरिंग प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने वर्चुअली ऑनलाइन प्रशिक्षण 20 से 22 जुलाई तक

नवल किशोर

कटनी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार ओ.एस.आर. (OSR) विषय पर पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि एवं मॉनिटरिंग प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने समस्त जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम चरणबद्ध ढंग से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20 से 22 जुलाई तक 3 बजे आयोजित किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक 20 जुलाई को जनपद पंचायत कटनी एवं रीठी, 21 जुलाई को बहोरीबंद एवं बड़वारा तथा 22 जुलाई को दीमरखेड़ा एवं विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को जनपद पंचायत वार



वर्चुअली ऑनलाइन प्रशिक्षित किया जाएगा। सुश्री कौर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियत समय एवं स्थान पर लैपटॉप सहित ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को उपस्थित कराने हेतु समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने ऑनलाइन प्रशिक्षण में नहीं जुड़ने वाले लोक सेवकों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजने हेतु कहा है।

मगरौनी पुलिस का स्मैक तस्करों पर बड़ा प्रहार

7.2 ग्राम स्मैक और बाइक सहित 1.30 लाख का मशरूका जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हेमंत भार्गव

शिवपुरी/नरवर। जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी मगरौनी थाना नरवर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 7.2 ग्राम स्मैक एवं एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल सहित कुल 1.30 लाख का मशरूका जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया (भा.पु.से.) के निर्देश पर जिले भर में अवैध मादक पदार्थ, शराब, गांजा और

सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक काले रंग की हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल से ग्राम पीपल खाड़ी नहर स्थित हनुमान मंदिर के पास स्मैक बेचने की फिराक में खड़ा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी सोनू गुर्जर (24 वर्ष) पुत्र विजय सिंह गुर्जर, निवासी ग्राम डोंगरी थाना बम्हारी, हाल निवासी चंदनपुरा मगरौनी, को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 7.2 ग्राम स्मैक (अनुमानित कीमत 50 हजार) एवं एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल (कीमत 80 हजार) बरामद हुई। पुलिस ने कुल 1.30 लाख का मशरूका जब्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 127/26 के तहत धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी को 17 जुलाई 2026 को माननीय न्यायालय शिवपुरी में पेश कर जेल दाखिल कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के अन्य तस्करों से जुड़े नेटवर्क और मादक पदार्थों की सप्लाय चैन के संबंध में गहन अनुसंधान जारी है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी थाना नरवर में अपराध क्रमांक 286/24 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है।



स्मैक के कारोबारियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी कैरा प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी नरवर निरीक्षक विनय यादव के नेतृत्व में चौकी मगरौनी पुलिस ने मुखबिर की

इस सहायनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय यादव, चौकी प्रभारी उनि. अभिमन्यु राजावत, सजनि. दिनेश यादव, प्रधान आरक्षक भोले सिंह, आरक्षक राघवेंद्र तोमर, सचिन यादव, बीरेन्द्र गुर्जर एवं शिवराज यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विकास कार्यों पर सीएमओ संतोष चौहान की सख्त निगरानी, अमृत 2.0 फिल्टर प्लांट व टेंचिंग ग्राउंड का औचक निरीक्षण



दिलीप पाटीदार

राजगढ़ नगर में विकास कार्यों की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) संतोष चौहान ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर के रेलियां डेम पर अमृत 2.0 योजना के तहत निर्माणाधीन फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही नगर के वार्ड क्रमांक 03 स्थित टेंचिंग ग्राउंड पहुंचकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ श्री चौहान सबसे पहले रेलियां डेम पहुंचे, जहां उन्होंने अमृत 2.0 योजना के तहत चल रहे फिल्टर प्लांट में निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करते

हुए संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि नगरवासियों को जल्द से जल्द बेहतर एवं नियमित पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 योजना नगर की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है और इसकी गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इसके पश्चात सीएमओ चौहान ने वार्ड क्रमांक 03 स्थित टेंचिंग ग्राउंड (कचरा डंपिंग साइट) का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां कचरा प्रबंधन, सेग्रिगेशन (कचरा पृथक्कीकरण) और स्वच्छता व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने

संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि टेंचिंग ग्राउंड पर कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाए ताकि आसपास के रहवासियों को किसी भी तरह की परेशानी या दुर्गंध का सामना न करना पड़े। साथ ही, उन्होंने डंपिंग साइट पर स्वच्छता के मानकों का कड़ाई से पालन करने को कहा। नगर का विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना हमारा मुख्य लक्ष्य है। अमृत 2.0 के तहत बन रहा फिल्टर प्लांट शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा। सभी अधिकारी और निर्माण एजेंसियां पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ काम समय पर पूरा करें।" इस निरीक्षण के दौरान निकाय के उपयंत्री एवं कर्मचारी व उपस्थित रहे।

सांसद शंकर लालवानी राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के सदस्य मनोनीत

इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लाखों असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रतिनिधित्व

इंदौर मध्यप्रदेश

सह संपादक अनिल चौधरी

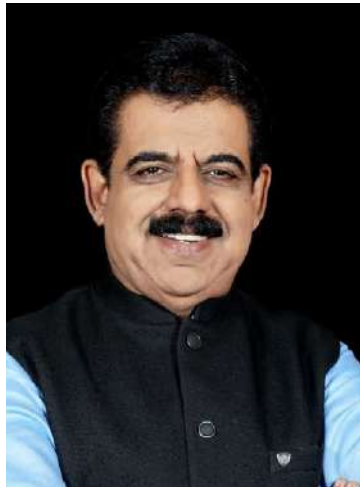
इंदौर। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी को राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के अंतर्गत गठित यह केंद्र सरकार का एक महत्वपूर्ण वैधानिक बोर्ड है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा उपाध्यक्ष भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार सचिव करते हैं। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड देश के करोड़ों असंगठित श्रमिकों, गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों तथा स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, श्रमिक कल्याण एवं अन्य नीतिगत विषयों पर केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान करता है। देश की कार्यशील आबादी का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा

होने के कारण यह बोर्ड नीति निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सांसद शंकर लालवानी का इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय बोर्ड में मनोनयन इंदौर एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे प्रदेश के लाखों असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स, ऑटो एवं टैक्सी चालकों, निर्माण श्रमिकों, घरेलू कामगारों, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स तथा ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं से जुड़े कर्मियों के हितों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी आवाज मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को मिलेगी नई दिशा

राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड समय-समय पर पेंशन, जीवन एवं दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ, श्रमिक पंजीकरण, कौशल विकास, बच्चों की शिक्षा तथा अन्य



सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए केंद्र सरकार को अनुशंसाएँ देता है। इन सुझावों के आधार पर श्रमिक हितों से जुड़ी योजनाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जाता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार

के साथ ऑनलाइन डिलीवरी, कैब सेवा, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स तथा ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े कर्मियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनके सामाजिक सुरक्षा अधिकारों, बीमा, पेंशन एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में यह बोर्ड महत्वपूर्ण नीतिगत भूमिका निभाता है।

इंदौर के उद्योग, व्यापार और श्रमिक संगठनों को मिलेगा लाभ

इंदौर देश का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र है। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में प्रतिनिधित्व मिलने से उद्योग, व्यापार, श्रमिक संगठन तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ अपने सुझाव और समस्याएँ प्रभावी रूप से केंद्र सरकार तक पहुँचा सकेंगी। इससे स्थानीय आवश्यकताओं को राष्ट्रीय नीतियों में उचित स्थान मिलने की

संभावना और मजबूत होगी।

सांसद लालवानी ने जताया आभार

सांसद शंकर लालवानी ने इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री मनसुख मंडविया जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि वे इंदौर एवं मध्यप्रदेश के असंगठित श्रमिकों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े नागरिकों तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म कर्मियों के हितों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह दायित्व श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लक्ष्य को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

स्कूल-कॉलेज, मदरसा एवं शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ, ड्रग्स की बिक्री या सेवन की सूचना पुलिस को देने का किया आह्वान

शिक्षण संस्थानों में भी पहुंचा इंदौर पुलिस का “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान

आदित्य शर्मा

इंदौर। युवाओं एवं समाज को नशे के दुष्परिणामों से बचाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज पुलिस अधिकारियों एवं थाना स्तर की टीमों द्वारा शहर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, मदरसों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया है। अभियान के अंतर्गत एलन कोचिंग संस्थान में डीसीपी जोन-03 श्री अभिषेक रंजन द्वारा सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली एवं थाना प्रभारी तुकोगंज सहित छात्र-छात्राओं से संवाद किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों तथा इससे होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से सदैव दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राइम श्री राजेश दंडोटिया एवं उनकी टीम द्वारा आकाश इंस्टीट्यूट में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए



प्रेरित करते हुए नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत थाना विजय नगर पुलिस द्वारा एपीजे अब्दुल

कलाम यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। थाना एमजी रोड पुलिस द्वारा शासकीय नूतन हायर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक किया गया। इसी प्रकार थाना खजराना क्षेत्र में एडिशनल डीसीपी जोन 02 श्री अमरेंद्र सिंह व थाना प्रभारी द्वारा बड़ा मदरसा में पहुंचकर सभी को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

थाना एमआईजी पुलिस द्वारा क्रिश्चियन एमिनेंट स्कूल में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं थाना कनाड़िया पुलिस द्वारा कर्नाटका विद्या निकेतन स्कूल में



छात्र-छात्राओं को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया।

इंदौर पुलिस की टीमों ने छात्र-छात्राओं

को प्रेरित किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। साथ ही, यदि उनके आसपास किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ड्रग्स या मादक पदार्थों की बिक्री अथवा सेवन किया जाता है, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। इंदौर पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि नशे के विरुद्ध इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। नशे से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना संबंधित पुलिस थाने/कार्यलय या हेल्पलाइन नंबर 7049108283 पर दें- सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण वितरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

आकस्मिक निधन

अत्यंत के साथ सूचित करने में आता है कि महामना लश्करी पंचायत के वरिष्ठ पटेल स्वर्गीय श्री दुलीचंद जी करोसिया के ज्येष्ठ पुत्र एवं तपनदीप करोसिया के पिता श्री तरुण करोसिया जी का आकस्मिक निधन दिनांक 17.7.2026 को हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा निजी निवास गाड़ी अड्डा हरिजन कॉलोनी से 18.7.2026 समय दोपहर 12:00 बजे जूनी इंदौर मुक्तिधाम जावेगी



शोका कुल परिवार

प्रताप करोसिया जी (कैबिनेट मंत्री) पटेल छोटू करोसिया (जलगांव) चौ.किशोर मैहना धर्मेन्द्र करोसिया प्रवीण करोसिया पवन करोसिया भारत करोसिया कमल करोसिया अरुण करोसिया अभिषेक करोसिया वीरेंद्र करोसिया प्रमोद करोसिया मोहित कौशल कुलदीप जयदीप दिनकर प्रशांत तन्मय चेतन दिव्य चरित निशांत ज्यंशु करोसिया एवं समस्त परिवार।

धार भोजशाला: सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी जुमे की नमाज पर असमंजस, प्रशासन की बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला परिसर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश के बाद भी जुमे की नमाज को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

धार। प्रशासन शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी पक्षों से लगातार संवाद कर रहा है।

मुस्लिम पक्ष का कहना है

यदि प्रशासन भोजशाला परिसर के बाहर किसी वैकल्पिक स्थान पर नमाज की अनुमति देता भी है, तो वहां जुमे की नमाज अदा की जाएगी या नहीं, इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वहीं हिंदू पक्ष ने स्पष्ट किया है कि भोजशाला परिसर और उसके आसपास किसी भी स्थान पर जुमे की नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।



प्रशासन दोनों पक्षों के साथ समन्वय बनाकर समाधान तलाशने की कोशिश कर रहा है

ताकि न्यायालय के निर्देशों का पालन हो और किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भोजशाला लंबे समय से धार्मिक और कानूनी विवाद का विषय रही है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद अब सभी की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई और दोनों पक्षों के अंतिम रुख पर टिकी हुई है।

बदरीनाथ धाम चढ़ावा हेराफेरी मामले: पूर्व टेंपल ऑफिसर राजेंद्र सिंह चौहान गिरफ्तार, एसआईटी जांच में आया बड़ा मोड़

देहरादून। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में भगवान को चढ़ाए जाने वाले चढ़ावे में कथित हेराफेरी और वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के पूर्व टेंपल ऑफिसर राजेंद्र सिंह चौहान को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले इस मामले में समिति के एक कर्मचारी की गिरफ्तारी हो चुकी है। लगातार हो रही कार्रवाई से मंदिर समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूर्व टेंपल ऑफिसर राजेंद्र सिंह चौहान को शुक्रवार को एसआईटी कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। करीब चार घंटे तक चली गहन पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों ने उनसे कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और चढ़ावे के प्रबंधन से जुड़े सवाल पूछे। पूछताछ के दौरान उनके बयानों में कई विरोधाभास सामने आए। साथ ही जांच एजेंसी को ऐसे साक्ष्य भी मिले, जिनके आधार पर उनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई। इसके बाद एसआईटी ने उन्हें हिरासत में लेकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। राजेंद्र सिंह चौहान इसी वर्ष 30 जून को टेंपल ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के महज कुछ दिनों बाद उनकी गिरफ्तारी ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है।

पश्चिम बंगाल में मदरसे से जुड़े कार्यालय पर ईडी-एटीएस का छापा, 40 लाख नकद और 180 ग्राम सोना बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक मदरसे से जुड़े कार्यालय और अन्य ठिकानों का उपयोग कथित तौर पर आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए किए जाने के आरोपों के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने संयुक्त कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान लगभग 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोना बरामद होने का दावा किया गया है। यह कार्रवाई गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले के हरोआ के कालिकापुर क्षेत्र में की गई। बरामद सोने में कई सिक्के भी शामिल बताए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार यह कार्रवाई अक्टूबर 2023 में उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा दर्ज एक मामले के आधार पर की गई। मामले में आरोप है कि एक संगठित गिरोह कथित रूप से गैरकानूनी और उग्रवादी गतिविधियों के लिए धन एकत्र कर रहा था। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पश्चिम बंगाल के इस ठिकाने तक एजेंसियां पहुंचीं और तलाशी अभियान चलाया। जांच एजेंसियां



अब बरामद नकदी और सोने के स्रोत, उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन तथा संभावित लाभार्थियों की जांच कर रही हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या इन संसाधनों का उपयोग वास्तव में किसी प्रतिबंधित या गैरकानूनी गतिविधि के वित्तपोषण में किया गया था। फिलहाल मामले की जांच जारी है। अब तक किसी अदालत द्वारा आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, इसलिए संबंधित पक्षों पर लगे आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

भारतीय गैंगस्टर नीतीश कौशल अमेरिका में गिरफ्तार, एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में था शामिल

नई दिल्ली। भारतीय मूल के वांछित गैंगस्टर नीतीश कौशल उर्फ लाला को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने अमेरिका के वरमोंट राज्य से गिरफ्तार कर लिया है। वह लंबे समय से एजेंसी की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था और भारत में कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित बताया जाता है। जांच एजेंसियों के अनुसार, नीतीश कौशल का नाम पंजाब के कुख्यात जग्गू भगवानपुरिया गिरोह से जुड़ा रहा है। उस पर गिरोह के लिए अपहरण, रंगदारी, हिंसक हमलों और संगठित अपराध की कई वारदातों में शामिल होने के आरोप हैं। भारतीय एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थीं। बताया जा रहा है कि एफबीआई ने खुफिया जानकारी और अन्य एजेंसियों के सहयोग से उसे वरमोंट में दबोचा। अब भारतीय एजेंसियां उसके प्रत्यर्पण

(भारत लाने) की प्रक्रिया शुरू कर सकती हैं, ताकि उसके खिलाफ दर्ज मामलों में कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संगठित अपराध नेटवर्क पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। मामले में आगे की जांच जारी है



और संबंधित एजेंसियां उससे पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही हैं।

‘ऑपरेशन साइबर वज्र’ में जामताड़ा गैंग का डिजिटल नेटवर्क बेनकाब, तीन साइबर ठग गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में पुलिस ने ‘ऑपरेशन साइबर वज्र’ के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जामताड़ा गैंग से जुड़े तीन कथित साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है।

जांच में ऐसे संगठित डिजिटल नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम कार्ड और ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए साइबर ठगी को अंजाम देता था।

पुलिस के अनुसार, गिरोह ठगी से प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करता था। इसके लिए दूसरे लोगों के बैंक खातों का उपयोग कर रकम को कई खातों में स्थानांतरित किया जाता था, जिससे धन के वास्तविक स्रोत का पता लगाना मुश्किल हो जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी फर्जी पहचान पर लिए गए सिम कार्ड



और डिजिटल भुगतान माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। ठगी से हासिल रकम का एक हिस्सा ऑनलाइन खरीदारी और अन्य डिजिटल लेनदेन के माध्यम से खर्च किया जाता था, ताकि नकदी निकालने की आवश्यकता कम पड़े और जांच एजेंसियों से बचा जा सके। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। जब्त सामग्री की फॉरेंसिक जांच कर गिरोह के अन्य सदस्यों और संभावित पीड़ितों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। आरोपियों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ऐतिहासिक धरोहर पर अंतरराष्ट्रीय गिरोह की नज़र

भारत के 16वीं सदी के नरवर किले से 3.5 टन की दुर्लभ तोप चोरी

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी, मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक नरवर किले में हुई एक दुस्साहसिक चोरी ने वैश्विक पुरातत्व और कला जगत में हड़कंप मचा दिया है। 16वीं शताब्दी की करीब 3,500 किलोग्राम वजनी एक अत्यंत दुर्लभ तोप को अज्ञात अपराधियों ने किले से गायब कर दिया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कला तस्करों के एक बड़े सिंडिकेट का काम माना जा रहा है।

सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई वारदात- जांच में सामने आया है कि यह कोई अचानक हुई चोरी नहीं, बल्कि महीनों की योजना का हिस्सा थी।

15-16 जुलाई की रात हुई इस घटना से पहले, बदमाशों ने जुलाई की शुरुआत में ही तोप को उसके स्टैंड से गिराकर उसकी वजन क्षमता और उसे ले जाने के मार्ग का परीक्षण किया था। आधुनिक तकनीक और इंजीनियरिंग का उपयोग करते हुए, अपराधियों ने गढ़ों और विशेष रूप से तैयार 'बैरिंग वाली ट्रॉली' की मदद से 3,500 किलो वजनी इस धातु के ढांचे को तीन हजार फीट की ऊँचाई से नीचे उतार लिया।

सुरक्षा घरे में गंभीर चूक- इस घटना ने भारतीय पुरातात्विक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किले की सुरक्षा के लिए तैनात छह



सदस्यीय गार्ड टीम में से रात की पाली में मौजूद दोनों सुरक्षाकर्मी ड्यूटी स्थल से नदारद थे। बाद में पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि उनके पास बुनियादी सुरक्षा उपकरण जैसे टॉर्च तक उपलब्ध नहीं थे और उन्होंने पहले दी गई 'सशस्त्र डकैती' की सूचना को केवल

अपना बचाव करने के लिए गढ़ा था।

अंतरराष्ट्रीय एंटीक बाजार में करोड़ों की कीमत- पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार, यह तोप पीतल, तांबे और कांसे जैसी मिश्रित धातुओं से बनी है, जिस पर फारसी और देवनागरी लिपि में प्राचीन शिलालेख अंकित हैं। अंतरराष्ट्रीय 'ब्लैक मार्केट' में ऐसी दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं की मांग बहुत अधिक होती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस तोप की अवैध बाजार में कीमत 2 से 5 करोड़ रुपये (लगभग 250,000 से 600,000 अमेरिकी डॉलर) तक हो सकती है।

जांच का दायरा बढ़ा- राज्य

पुरातत्व विभाग और स्थानीय पुलिस अब मिलकर साक्ष्यों को खंगाल रहे हैं। घटनास्थल से मिले टायर के निशान और अन्य तकनीकी सबूत इशारा कर रहे हैं कि इसे किसी पेशेवर गिरोह द्वारा किसी बड़े वाहन में लादकर सीमावर्ती इलाकों या बड़े बंदरगाहों की ओर ले जाया गया है। अब नरवर किले की 'ओपन कचहरी' में सिंधिया राजवंश काल की बची हुई 13 तोपों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एंटीक तस्करों को रोकने वाली संस्थाओं को भी इस चोरी की सूचना दी जा सकती है ताकि तस्कर इसे वैश्विक बाजार में खपा न सकें।

नानक मशीनरी स्टोर से चोरों ने लगभग 80 हजार का माल चोरी पुलिस की गस्त पर उठे सवाल

नवल किशोर

कटनी। शहर में चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब चोर सिर्फ दुकान का सामान ही नहीं, बल्कि अपनी पहचान मिटाने के लिए सीसीटीवी सिस्टम भी उखाड़कर ले जा रहे हैं। ताजा मामला कुठला थाना क्षेत्र के पन्ना मोड़ स्थित नानक मशीनरी स्टोर का है, जहां देर रात शटर काटकर अज्ञात चोर करीब 80 हजार रुपये का माल समेट ले गए। हालांकि बदमाशों की चालाकी उस समय धरी रह गई, जब दुकान के दूसरे कैमरे में एक आरोपी का चेहरा साफ रिकॉर्ड हो गया।

पुलिस के अनुसार बांग्लादेश लाइन, माधवनगर निवासी राहुल जगवानी की खेरमाई मंदिर रोड स्थित नानक मशीनरी स्टोर में 17-18 जून की दरमियानी रात करीब 12 बजे से 3:30 बजे के बीच चोरी हुई। चोर शटर तोड़कर दुकान में घुसे और महंगे मशीनरी पार्ट्स समेटने के बाद सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर तथा वाई-फाई मॉडम राउटर भी उखाड़कर ले गए, ताकि वारदात का कोई सबूत न बच सके। लेकिन बदमाश



यह नहीं जान पाए कि दुकान और आसपास लगे अन्य कैमरों में उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड हो चुकी हैं। फुटेज में एक संदिग्ध का चेहरा स्पष्ट दिखाई दे रहा है, जिसके आधार पर पुलिस उसकी पहचान में जुट गई है। पुलिस का मानना है कि जल्द ही आरोपियों तक पहुंच बनाई जा सकती है। शिकायत के आधार पर कुठला थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 520/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(4) एवं 305(a) के तहत प्रकरण कायम कर लिया है। मामले की विवेचना प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक) अजीत मिश्रा कर रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश दहिया के निर्देशन में पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए बनेगी अमृतधारा : मुख्यमंत्री डॉ यादव

नवल किशोर

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र हर प्रकार के संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन कुछ स्थानों पर पानी की कमी की चुनौती सामने आती है। स्लीमनाबाद टनल कटनी, रीवा, सतना, मैहर और पन्ना जिलों के लिए अमृतधारा बनेगी। भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से चित्रकूट क्षेत्र और विंध्य की वैली के इन पांच जिलों के कुल ढाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा। लोगों के लिए पेयजल की समस्या का समाधान होगा। कई स्थानों पर इसमें बिजली भी बनाई जाएगी। यह परियोजना राज्य में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के संकल्प की पूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से टनल परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजना के लिए 1600 करोड़ रुपये की राशि में केंद्र सरकार ने लगभग 275 करोड़ की राशि प्रदान की। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बलबूते



आज यह चुनौतीपूर्ण टनल परियोजना पूरी होने की ओर बढ़ रही है। किसानों और क्षेत्र के व्यापारियों के लिए यह टनल एक वरदान की तरह है। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह परियोजना भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में केस स्टडी सिद्ध होगी। भीषण भूकंप आने पर भी टनल 100 साल तक सुरक्षित रहेगी। कई स्थानों पर टनल की गहराई जमीन से नीचे 120 फीट तक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्लीमनाबाद टनल के अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी।

मां नर्मदा, गंगा बेसिन में भी हरियाली लाएंगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदा नदी तो खंभात की खाड़ी में

जाकर मिलती है, लेकिन यह विज्ञान का चमत्कार ही है कि अब मां नर्मदा इस ऐतिहासिक टनल के माध्यम से गंगा बेसिन में सोन नदी के आसपास के अंचल में भी हरियाली लाएगी। एक समय ऐसा भी आया जब लगा कि टनल तैयार होना असंभव जैसा है। लेकिन जब संकल्प बड़ा होता है और पवित्र मन से कार्य किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। बार-बार कठिन चढ़ावों की चुनौतियां आने के बावजूद नर्मदा टनल को पूरा करने के संकल्प के साथ पूरी टीम काम करती रही। राज्य में एक समय पर सिंचाई का रकबा केवल साढ़े 7 लाख हेक्टेयर था। हमारी सरकारों में यह रकबा बढ़ाकर 44 लाख हेक्टेयर हुआ, जो पिछले ढाई साल में बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर हो गया है। किसान कल्याण वर्ष में नर्मदा टनल परियोजना किसानों के लिए बड़ी सौगात है। आगामी तीन माह में रबी की फसल के लिए किसानों को एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

आचार्य श्री 108 विद्यासागर पाठशाला बामौर कलां का 21वां कलश स्थापना महोत्सव संपन्न

13 कलशों की स्थापना,
धर्ममय माहौल में जुटे श्रद्धालु

अतुल जैन

बामौरकलां। आचार्य श्री 108 विद्यासागर पाठशाला का 21वां कलश स्थापना महोत्सव शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की। इस अवसर पर कुल 13 कलशों की स्थापना की गई, जिनमें पांच मुख्य एवं आठ सामान्य कलश शामिल रहे कार्यक्रम का शुभारंभ गत वर्ष के पुण्यार्जक परिवार द्वारा आचार्य श्री



108 विद्यासागर महाराज के चित्र के अनावरण से हुआ। इसके बाद महिला मंडल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री की विधि-विधान से पूजन-अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित किया। पूजन के उपरांत कलश स्थापना के लिए बोलियां आयोजित की गईं। मुख्य कलशों में प्रथम कलश अभय कुमार-राजेंद्र कुमार कठेरिया परिवार, द्वितीय देवेंद्र कुमार-नीलेश कुमार मोदी परिवार, तृतीय नरेंद्र कुमार-अभिषेक कुमार बड़कुल परिवार, चतुर्थ मुकेश कुमार-अनिमेष कुमार व्यास परिवार तथा पंचम प्रकाशचंद-चक्रेश कुमार परिवार को प्राप्त हुआ। आठ सामान्य कलश धनेश-प्रीति हिरावल परिवार, संजीव-अनीता

मिठया परिवार, संजय-वर्षा मोदी परिवार, संजीव-रचना मिठया परिवार, सुमत प्रकाश-ऋषभ सिंघई परिवार, सुरेश कुमार-पंकज कुमार मिठया परिवार, श्रीमती मीना-अभिषेक मिठया परिवार तथा इंद्रसेन-विनीत मिठया परिवार ने प्राप्त किए। कार्यक्रम का संचालन पंडित अनुभव शास्त्री (खनियाधाना) ने किया। सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था विमल-ममता चौधरी परिवार द्वारा की गई। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव की अगली कड़ी में शाम को पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसमें धार्मिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

कटनी में मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन के पूर्व ही पुलिस प्रशासन ने Nsui कार्यकर्ताओं को किया गिरफ्तार

कटनी । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कटनी दौरे से पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर जिले की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिना किसी पूर्व सूचना, प्रदर्शन की घोषणा या स्पष्ट कारण बताए उन्हें



विभिन्न स्थानों से हिरासत में लेकर अलग-अलग थानों में रखा गया। इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन बताते हुए कांग्रेस ने प्रशासन और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि "गिरफ्तारियों से हम डरने वाले नहीं हैं। फर्जी मुकदमों और जेल की धमकियों से हमारी आवाज नहीं दबाई जा सकती।

यदि सरकार को युवाओं से इतना डर है कि मुख्यमंत्री के दौरे से पहले ही विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।" नेताओं ने जिला प्रशासन पर सत्ता के दबाव में कार्य करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन को किसी राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि संविधान और तिरंगे के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। कांग्रेस के अनुसार, सोशल मीडिया उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता, छात्र नेता अभिषेक पयासी अजय खटीक सहित कई कार्यकर्ताओं

को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लेकर विभिन्न थानों में रखा गया। पार्टी ने इन कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताया है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि लोकतांत्रिक अधिकारों का इसी तरह हनन होता रहा तो पार्टी पूरे प्रदेश में आंदोलन तेज करेगी और इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाएगी।

गुड़र गांव अग्निकांड में पांचवीं मौत एक ही हादसे में पूरे परिवार का खात्मा

एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार, 27 दिन बाद रोशनी परिहार ने तोड़ा दम

अतुल जैन

खनियाधाना। खनियाधाना थाना क्षेत्र के गुड़र गांव में 17 जून को हुए भीषण विस्फोट और अग्निकांड में पांचवें व्यक्ति की मौत के साथ ही एक पूरा परिवार उजड़ गया। इलाज के दौरान गंभीर रूप से झुलसी रोशनी परिहार ने 13 जुलाई को ग्वालियर में अंतिम सांस ली। उनके अंतिम संस्कार के साथ ही इस दर्दनाक हादसे में घायल सभी पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

पलभर में उजड़ गया घर-17 जून की सुबह प्राण सिंह परिहार के घर रोज की तरह खाना बन रहा था। तभी अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। धमाका इतना भीषण था कि मकान की छत उड़ गई, दीवारें गिर गईं और पूरे घर में आग लग गई। देखते ही देखते घर मलबे में तब्दील हो गया और अंदर मौजूद लोग आग की चपेट में आ गए।

एक-एक कर गईं 5 जानें -विस्फोट में सबसे पहले 4 वर्षीय जहानवी की मौके पर ही मौत हो गई। अगले दिन 18



जून को इलाज के दौरान पड़ोसी अंकेश (11) पुत्र शिशुपाल आदिवासी ने दम तोड़ दिया। उसी दिन शाम को परिवार के मुखिया प्राण सिंह परिहार (30) की भी मौत हो गई। परिवार की उम्मीद 2 वर्षीय शिवा पर टिकी थी, लेकिन वह भी 23 जून को जिंदगी की जंग हार गया।

घर की आखिरी सदस्य रोशनी परिहार 27 दिन तक ग्वालियर में जिंदगी और मौत से लड़ती रहीं। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद 13 जुलाई

को उनका निधन हो गया। 14 जुलाई को गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

गांव में पसरा सन्नाटा- एक ही हादसे में पांच मौतों ने पूरे गुड़र गांव को गमगीन कर दिया है। जिस घर में कभी बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब सन्नाटा है। ग्रामीण आज भी उस भयावह मंजर को याद कर कांप उठते हैं।

विस्फोट का कारण अभी अज्ञात- खनियाधाना थाना प्रभारी केदार सिंह यादव ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच एफएसएल टीम कर रही है। मौके से एकत्र साक्ष्य सागर स्थित प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह विस्फोट किस वजह से हुआ। इस हादसे ने एक परिवार को खत्म करने के साथ ही यह सवाल भी छोड़ दिया है कि आखिर वह कौन-सी वजह थी जिसने कुछ ही सेकंड में पांच जिंदगियां निगल लीं।

राम मनोहर लोहिया वार्ड को मिली 59.41 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात महापौर, क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के करकमलों से हुआ भूमिपूजन

रचना नगर में सी.सी. नाली निर्माण एवं अहमद नगर में आंगनवाड़ी भवन निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगा सीधा लाभ

नवल किशोर

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर संतुलित एवं समग्र विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को राम मनोहर लोहिया वार्ड क्रमांक-5 में लगभग 59.41 लाख रुपये की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद श्री उमेश अहिरवार सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमायुगी उपस्थिति में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों के करकमलों से भूमिपूजन कराया गया। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्व श्री डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष संजु गर्ग सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी रही।

इन विकास कार्यों से वार्ड नागरिकों मिलेगा सीधा लाभ- विकास कार्यों में राममनोहर लोहिया वार्ड अंतर्गत लगभग 46.41 लाख रुपये की लागत से शिशिर गुप्ता के मकान से हनुमान मंदिर तक सी.सी. नाली निर्माण कार्य, रचना नगर में सी.सी. नाली निर्माण कार्य किया जाएगा वहीं अहमद नगर में लगभग 13 लाख रुपये की लागत से आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया गया। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, वहीं आंगनवाड़ी भवन बनने से बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।



विकास के साथ जनसेवा का संकल्प : महापौर श्रीमती सूरी- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना

नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने कहा कि शहर का प्रत्येक वार्ड विकास की मुख्यधारा से जुड़े, इसके लिए निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने अपने भावुक शब्दों में कहा, "पद आज



है, कल नहीं रहेगा, लेकिन जनता की सेवा का मेरा संकल्प सदैव अटूट रहेगा। मैं राजनीति में किसी पद के लिए नहीं, बल्कि जनसेवा के उद्देश्य से आई हूँ। शुरुआत से ही जनता की सेविका के रूप में कार्य करती आई हूँ और आगे भी बिना किसी भेदभाव के पूरे समर्पण, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ शहरवासियों की सेवा करती रहूँगी। जनता का विश्वास और स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है, जो मुझे निरंतर विकास और

सेवा के कार्यों के लिए प्रेरित करता है।

क्षेत्रीय पार्षद श्री उमेश अहिरवार ने कहा कि वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को प्राथमिकता देते हुए इन विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाई गई है। उन्होंने महापौर एवं नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वार्ड के विकास के लिए आगे भी इसी प्रकार निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

मातृशक्तियों ने विकास कार्यों पर व्यक्त किया हर्ष, जताया आभार

इस दौरान वार्ड की मातृशक्तियों ने महापौर श्रीमती सूरी का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। महिलाओं ने वार्ड में प्रारंभ हुए विकास कार्यों के लिए महापौर एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवश्यकताएं पूरी होंगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। महापौर ने भी सभी महिलाओं का अभिनंदन स्वीकार करते हुए उन्हें नगर के विकास, स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने विकास कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया तथा समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य की अपेक्षा जताई।

1.25 लाख के नीचे फिसला सोना, आखिर क्यों टूटी चमक?

नई दिल्ली। साल 2026 की शुरुआत में लगातार नए रिकॉर्ड बनाने वाला सोना अब दबाव में दिखाई दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें 1.25 लाख प्रति 10 ग्राम के नीचे पहुंचने के बाद निवेशकों के बीच चिंता और उत्सुकता दोनों बढ़ गई हैं। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना खरीदा था, वे कीमतों में आई गिरावट से परेशान हैं, जबकि नए निवेशक इसे खरीदारी का अवसर मान रहे हैं। इसी बीच चांदी की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव जारी है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, डॉलर की मजबूती और भू-राजनीतिक घटनाक्रम सोने और चांदी की दिशा तय कर रहे हैं। आने वाले कुछ सप्ताह निवेशकों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजार कॉमेक्स (COMEX) में सोना करीब 3,998 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.24 लाख प्रति 10 ग्राम बैठता है। वहीं चांदी की कीमत लगभग 55.69 डॉलर प्रति औंस रही, जिसका भारतीय मूल्य करीब 1.71 लाख प्रति किलोग्राम के बराबर है। दूसरी ओर घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना लगभग 1,40,650 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी हल्की कमजोरी के साथ करीब 2,15,885 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम हैं तो भारत में सोना इतना महंगा क्यों बिक रहा है। इसका जवाब भारत की आयात व्यवस्था और टैक्स संरचना में छिपा हुआ है। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ वॉर ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षित किया था। उस समय सोने की मांग तेजी से बढ़ी और इसकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गईं। लेकिन जैसे-जैसे बाजार ने इन घटनाओं को अपने भीतर



समाहित किया, सोने की तेजी कमजोर पड़ने लगी। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने शुरुआत में सोने को मजबूती दी थी, क्योंकि ऐसे समय में निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर रुख करते हैं। हालांकि अब बाजार केवल युद्ध की खबरों पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहा, बल्कि आर्थिक संकेतकों और केंद्रीय बैंकों की नीतियों को अधिक महत्व दे रहा है।

कच्चे तेल की महंगाई ने बढ़ाई चिंता-सोने की कीमतों पर असर डालने वाला एक बड़ा कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल भी है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। तेल महंगा होने से परिवहन, उत्पादन और ऊर्जा की लागत बढ़ जाती है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका पैदा होती है। महंगाई बढ़ने की स्थिति में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रख सकते हैं। यही वजह है कि निवेशकों ने सोने में मुनाफावसूली शुरू कर दी और कीमतों में दबाव बढ़ गया।

फेडरल रिजर्व की नीति

बनी सबसे बड़ा फैक्टर-अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति इस समय सोने की कीमतों पर सबसे ज्यादा असर डाल रही है। फेड ने फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण के लिए सख्त रुख बनाए रखने के संकेत दिए हैं। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं तो निवेशक सोने की बजाय बॉन्ड और

अन्य ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। यही कारण है कि हाल के दिनों में सोने की मांग में कुछ कमी आई है और कीमतों पर दबाव बना हुआ है अक्सर निवेशकों के मन में यह सवाल उठता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत कम होने के बावजूद भारत में इसकी कीमत काफी अधिक क्यों रहती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत अपनी जरूरत का लगभग पूरा सोना आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय कीमत के अलावा आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, जीएसटी, परिवहन खर्च, बीमा, बैंकिंग शुल्क और अन्य लागत भी इसमें जुड़ जाती है। इसके अलावा यदि डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता है तो आयात और महंगा हो जाता है, जिससे घरेलू बाजार में सोने की कीमतें और बढ़ जाती हैं। यही कारण है कि कॉमेक्स और एमसीएक्स के भावों में बड़ा अंतर दिखाई देता है।

चांदी में भी उतार-चढ़ाव जारी-

सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी अस्थिरता बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में कमजोरी देखने को मिली, जबकि घरेलू बाजार में भी इसमें हल्की गिरावट दर्ज की गई। चांदी केवल निवेश का साधन नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर एनर्जी, ऑटोमोबाइल और मेडिकल उपकरणों में इसके व्यापक उपयोग के कारण इसकी कीमतें औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में बदलाव का असर चांदी पर सोने की तुलना में अधिक दिखाई देता है।

क्या अभी और गिर सकते हैं दाम? - बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने की कीमतों में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है। निवेशकों की नजर अब अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक पर टिकी हुई है। यदि फेड ब्याज दरों को लेकर सख्त रुख अपनाता है तो सोने की

कीमतों पर और दबाव बन सकता है। वहीं यदि महंगाई में कमी आती है और ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है तो सोने में फिर से तेजी लौट सकती है। भू-राजनीतिक तनाव भी आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। यदि वैश्विक स्तर पर किसी बड़े संघर्ष या आर्थिक संकट की स्थिति बनती है तो सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग दोबारा बढ़ सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अल्पकाल में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, इसलिए जल्दबाजी में बड़े निवेश से बचना चाहिए। यदि कोई निवेशक लंबी अवधि के लिए सोना खरीदना चाहता है तो एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से खरीदारी करना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। जो लोग शादी-ब्याह या अन्य जरूरतों के लिए सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए भी मौजूदा गिरावट राहत की खबर हो सकती है। हालांकि खरीदारी से पहले बाजार की दिशा और विशेषज्ञों की राय पर नजर रखना जरूरी है।

आने वाले दिनों में किस पर रहेगी नजर? - बाजार की अगली चाल कई महत्वपूर्ण घटनाओं पर निर्भर करेगी। निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक, अमेरिका के महंगाई और रोजगार संबंधी आंकड़ों, डॉलर इंडेक्स की चाल, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर रहेगी। यदि इन मोर्चों पर कोई बड़ा बदलाव होता है तो सोने और चांदी की कीमतों में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल बाजार में सतर्कता का माहौल है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना लंबी अवधि में अब भी सुरक्षित निवेश का मजबूत विकल्प बना हुआ है, लेकिन निकट भविष्य में कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों को भावनाओं के बजाय तथ्यों और बाजार के संकेतों के आधार पर निवेश का निर्णय लेना चाहिए।

मुकेश अंबानी का बड़ा दांव!

रिलायंस में खरीदे 9,000 करोड़ तक के शेयर, बढ़ाई हिस्सेदारी, निवेशकों में बढ़ी उम्मीद

नई दिल्ली। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) में चेयरमैन मुकेश अंबानी और प्रमोटर ग्रुप ने बड़ा दांव खेला है। अप्रैल से जून 2026 तिमाही के दौरान प्रमोटर समूह ने खुले बाजार से बड़े पैमाने पर कंपनी के शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार इस खरीद पर करीब 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ तक खर्च किए गए हैं। इस कदम को कंपनी के भविष्य पर प्रमोटर समूह के मजबूत भरोसे और लंबी अवधि की निवेश रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इस खबर के बाद निवेशकों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या आने वाले समय में रिलायंस के शेयरों में नई तेजी देखने को मिल

सकती है। रेगुलेटरी शेयरहोल्डिंग डेटा के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 50.48 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले जनवरी-मार्च तिमाही के अंत में यह हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत थी।

यानी केवल तीन महीनों में प्रमोटर समूह ने लगभग 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल कर ली। शेयर बाजार में इतनी बड़ी कंपनी में आधा प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाना भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और इसके लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश करना पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खरीद सेबी के 'क्रीपिंग एक्विजिशन' नियमों के तहत की गई है। इन नियमों के अनुसार सूचीबद्ध कंपनी के प्रमोटर तय सीमा के भीतर धीरे-धीरे अपनी हिस्सेदारी बढ़ा

सकते हैं और इसके लिए उन्हें अनिवार्य ओपन ऑफर लाने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि रिलायंस के प्रमोटर समूह ने नियमों का पालन करते हुए बाजार से शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है मार्केट एनालिस्ट का अनुमान है कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान खरीदे गए शेयरों की कुल कीमत 8,500 करोड़ से 9,000 करोड़ के बीच रही होगी। इतनी बड़ी रकम का निवेश यह संकेत देता है कि प्रमोटर समूह कंपनी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर काफी आश्वस्त है। आमतौर पर जब किसी कंपनी के प्रमोटर खुले बाजार से अपने ही शेयर खरीदते हैं तो इसे सकारात्मक संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे यह संदेश जाता है कि कंपनी का नेतृत्व भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए खुशखबरी एफडी पर 8.50% तक ब्याज, जुलाई में ये बैंक दे रहे सबसे बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली। सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे वरिष्ठ नागरिकों के लिए सावधि जमा (एफडी) अब भी आकर्षक विकल्प बना हुआ है। जुलाई में कई बैंकों ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी पर 8.50 प्रतिशत तक वार्षिक ब्याज की पेशकश की है। सबसे अधिक ब्याज इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक दे रहे हैं।

बैंकों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रमुख ब्याज दरें इस प्रकार हैं—

इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक – अधिकतम 8.50%
शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक – अधिकतम 8.50%
डीसीबी बैंक – लगभग 8.15%
बंधन बैंक – लगभग 8.05%
यस बैंक – लगभग 8.00%
इंडसइंड बैंक – लगभग 8.00%
विशेषज्ञों का कहना है कि एफडी



कराने से पहले केवल ब्याज दर ही नहीं, बल्कि जमा अवधि, समय से पहले निकासी के नियम, बैंक की वित्तीय स्थिति और जमा बीमा जैसी बातों पर भी ध्यान देना चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बैंक सामान्य ग्राहकों की तुलना में अतिरिक्त ब्याज का लाभ भी देते हैं।

उत्कृष्ट ग्रेडिंग पर सख्ती: पीडब्ल्यूडी में मुख्य अभियंताओं की पदोन्नति टली

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में मुख्य अभियंता के रिक्त पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया फिलहाल टाल दी गई है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) ने अधिकारियों की गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) और विभागीय जांच से जुड़े मामलों की गहन

पड़ताल के निर्देश दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार

इस बार केवल गोपनीय रिपोर्ट में दी गई 'उत्कृष्ट' (Outstanding) ग्रेडिंग को आधार मानकर पदोन्नति नहीं दी जाएगी। जिन अधिकारियों

को उत्कृष्ट ग्रेड मिला है, उनके अभिलेखों में यह स्पष्ट दर्ज होना अनिवार्य होगा कि उन्हें यह मूल्यांकन किस विशेष उपलब्धि, उल्लेखनीय परियोजना या उत्कृष्ट कार्य के आधार पर दिया गया। विभागीय जांच, लंबित अनुशासनात्मक प्रकरण, शिकायतें और सेवा रिकॉर्ड भी पदोन्नति

के निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिन अधिकारियों के विरुद्ध जांच लंबित है या जिनकी गोपनीय रिपोर्ट में विसंगतियां पाई जाएंगी, उनके मामलों पर अलग से विचार किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग में लंबे समय से मुख्य अभियंताओं के कई पद रिक्त हैं

जींद से खाना हुई देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

खुद बनाएगी बिजली, आग लगते ही ऐक्टिव होगा सुरक्षा सिस्टम

जींद (एजेंसी)। भारतीय रेलवे शुक्रवार को हरियाणा के जींद से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का संचालन शुरू हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अत्याधुनिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह परियोजना केवल एक नई रेल सेवा नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे के ऊर्जा परिवर्तन की नई पहचान है, जहां डीजल आधारित परिवहन से आगे बढ़ते हुए स्वच्छ, टिकाऊ और भविष्य की ऊर्जा तकनीक को अपनाया जा रहा है। बता दें कि जर्मनी व्यावसायिक हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों को शुरू करने वाला पहला देश बन चुका है, जबकि फ्रांस, इटली, चीन और जापान प्रायोगिक परियोजनाओं या सीमित परिचालन पर काम कर रहे हैं। इन देशों की ट्रेनों में आमतौर पर दो से चार डिब्बे होते हैं और ये मुख्य रूप से क्षेत्रीय यात्री सेवाओं के लिए ही बनाई गई हैं, लेकिन जींद-सोनीपत मार्ग पर संचालित होने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन में 10 कोच होंगे, जिनमें 2600 यात्रियों को एक साथ लाने-ले जाने की व्यवस्था होगी।



अब तीनों देवता 9 दिन मौसी के घर रहेंगे

दूसरे दिन भी भीड़, नौ लाख श्रद्धालु जुटे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अब तीनों देवता 9 दिन अपनी मौसी के घर रहेंगे। इसके साथ ही रथयात्रा पूरी हुई। इसके पहले रथयात्रा शुक्रवार सुबह दूसरे दिन शुरू हुई। बह बारिश और उमस के बीच 9 लाख श्रद्धालु फिर से रथ खींचने के लिए ग्रैंड रोड पर जुटे। गुरुवार को पाहंडी अनुष्ठान में हुई देरी और अंधेरा होने के कारण तीनों रथ गुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच सके थे। तीनों देवता रातभर अपने-अपने रथों पर ही विराजमान रहे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाथी ने बताया कि सभी अनुष्ठान समय पर हुए, लेकिन भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर करीब 40

पुरी रथयात्रा, तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

मिनट तक आगे नहीं बढ़ सकी। इसी वजह से पाहंडी अनुष्ठान एक घंटे से अधिक देर से पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि भगवान बलभद्र का तालध्वज रथ ग्रैंड रोड पर करीब 700 मीटर चलकर मार्केट चौक पर रुका। देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ लगभग 400 मीटर चलकर मरीचिकोट चौक तक पहुंचा। वहीं भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ कुछ ही दूरी तय कर मुख्य मंदिर के सिंहद्वार के पास रुक गया था।

बारिश के बावजूद नहीं टूटा श्रद्धालुओं का उत्साह- बारिश और उमस के बावजूद लाखों श्रद्धालु जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष के बीच रथ खींचते रहे। ग्रैंड रोड पर झांझ, नगाओं, शंख और तुरहियों की गूंज के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। बारिश



का पानी जमा न हो, इसके लिए ग्रैंड रोड पर विशेष इंतजाम किए गए, ताकि रथयात्रा बिना रुकावट आगे बढ़ सके। पाहंडी के दौरान भगवान जगन्नाथ के पारंपरिक फूलों के मुकुट तहिया के नहीं दिखने पर अरविंद पाथी ने बताया कि बारिश से भीगकर यह भारी हो गया था।

धक्का-मुक्की से श्रद्धालुओं का दमघुटने लगा

पुरी में गुरुवार सुबह से बारिश हो रही थी। कई अनुष्ठान भी पानी के बीच हुए। शाम 5 बजे रथ आगे बढ़े। एक घंटा ही बीता था कि बारिश रुक गई। जो श्रद्धालु लॉज या होटल में रुके थे, वे भी इकट्ठा होने लगे। इसके चलते रथों के आसपास भीड़ बढ़ी और धक्का-मुक्की होने लगी। दरअसल, मौसम विभाग ने रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश का अंदेशा जताया था। तमाम तैयारियों के बावजूद पुलिस-प्रशासन का अनुमान था कि बारिश के चलते श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल होने से बचेंगे।

मानसून सत्र 20 जुलाई से सरकार 7 बिल लाएगी

- वर्दे मातरम के अपमान और विदेशी चंदे पर सख्ती की तैयारी, परिसीमन बिल का जिक्र नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें वर्दे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं।

बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नारी संशोधन का जिक्र नहीं है। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून



सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई 20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। यह सत्र 25 दिनों तक चलेगा, कुल 19 बैठकें होंगी। दिल्ली के कर्तव्य भवन में शुक्रवार को एनडीए नेताओं की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और ललन सिंह समेत कई सीनियर लीडर शामिल हुए।

चंडीगढ़ में बनेगा नया एमबीबीएस कॉलेज

- पीएम ने 4700 करोड़ रुपये के प्रोजेक्टों का किया उद्घाटन

कहा-चंडीगढ़ के विकास से तीन राज्यों को फायदा होता है

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा के जींद में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद चंडीगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने 10 प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। यहां उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के विकास से पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब और हिमाचल का फायदा भी होता है। मैं चंडीगढ़ होता तो खुद भी पीजीआई जाता था। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। मंच पर चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। जिन प्रोजेक्टों का पीएम ने उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें विरोधी



दलों के सांसदों का भी नाम लिखा था। जिनमें चंडीगढ़ से मनीष तिवारी के अलावा श्री आनंदपुर साहिब से एएपी के सांसद मालविंदर कंग शामिल हैं। पीएम के इस दौर को पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से भी

जोड़कर देखा जा रहा है। परियोजनाएं लोगों का जीवन आसान बनाएंगी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए देश को भविष्य की तकनीक, आधुनिक परिवहन और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे फैसले ले रही है, जिनका फायदा सिर्फ आज की पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा। प्रधानमंत्री ने नई विकास परियोजनाओं के लिए चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लोगों को बधाई दी और कहा कि ये परियोजनाएं क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी हैं।

- चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं अब हर नागरिक का अधिकार बनती जा रही हैं। पहले मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस सीटें कम होने के कारण युवाओं को डॉक्टर बनने का पर्याप्त मौका नहीं मिलता था, लेकिन अब सरकार ने मेडिकल शिक्षा का तेजी से विस्तार किया है। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ में नए एमबीबीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ शिक्षा और रिसर्च का बड़ा केंद्र है। भविष्य में यही संस्थान स्टार्टअप और नई तकनीक के हब बनेंगे।